



रक्षा सम्पदा संगठन
Defence Estates Organisation



भारत 2023 INDIA



रक्षा सम्पदा महानिदेशालय
रक्षा मंत्रालय
Directorate General of Defence Estates
Ministry of Defence

रक्षा मंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार 2022

स्वच्छ छावनी - स्वस्थ छावनी

- समूह 'क' - छावनी परिषद, दिल्ली
- समूह 'ख' - छावनी परिषद, बरेली
- समूह 'ग' - छावनी परिषद, बकलोह

डिजिटल क्षेत्र में उपलब्धियाँ

- रक्षा सम्पदा कार्यालय, दिल्ली मण्डल

भूमि एवं अभिलेख प्रबंधन

- रक्षा सम्पदा कार्यालय, चेन्नई मण्डल

छावनी सामान्य अस्पतालों में सुधार

- छावनी परिषद, इलाहाबाद

ई-छावनी परियोजना का कार्यान्वयन

- छावनी परिषद, देवलाली

दिव्यांग बच्चों के लिए केंद्रों का प्रबंधन

- छावनी परिषद, इलाहाबाद

छावनी परिषद के विद्यालयों की कार्यप्रणाली में सुधार

- प्राथमिक/मिडिल - छावनी परिषद, महू
- माध्यमिक/ वरिष्ठ माध्यमिक - छावनी परिषद, जालंधर

Raksha Mantri's Awards for Excellence 2022

Swachh Chhawani-Swasth Chhawani

- Group 'A' - Delhi Cantonment Board
- Group 'B' - Bareilly Cantonment Board
- Group 'C' - Bakloh Cantonment Board

Digital Accomplishments (DEOs)

- Delhi, DEO Circle

Land and Record Management

- Chennai, DEO Circle

Improvement in Cantonment General Hospital

- Allahabad Cantonment Board

Implementation of eChhawani Project

- Deolali Cantonment Board

Maintaining Centres for Divyang Children

- Allahabad Cantonment Board

Improvement in the Functioning of Cantt Board Schools

- Primary/ Middle - Mhow Cantonment Board
- Secondary/ Sr. Secondary – Jalandhar Cantonment Board

स्वच्छ छावनी स्वस्थ छावनी (समूह 'क') - छावनी परिषद, दिल्ली



दिल्ली छावनी ने देश की सबसे स्वच्छ छावनियों में से एक के रूप में अपना प्रमुख स्थान बनाया है। घर-घर जाकर कचरे के संग्रहण और स्त्रोत पर ही कचरे के पृथकीकरण की व्यवस्था की गई है। जीपीएस टैकिंग से लैस 50 से अधिक वाहनों के बेड़े के साथ, सीवर, नाले की सफाई और मुख्य सड़क की सफाई पूरी तरह से यंत्रीकृत है। सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबन्ध लगा दिया गया है और कचरे की अनाधिकृत डंपिंग को रोकने के लिए 65 सीसीटीवी कैमरे संवेदनशील स्थानों पर लगाए गए हैं। 23 उद्यान, मुख्य सड़कों के किनारे 63 ओपन एयर जिम और 51.6 किलोमीटर की हरित पट्टी भी विकसित की गई है, साथ ही झरेरा तालाब और मेहरम नगर तालाब को नागरिकों के लिए सुरम्य स्थलों के रूप में फिर से जीवंत किया गया है। टिगरिस रोड पर 20 टीपीडी सॉर्टिंग कम कंपोस्टिंग मशीन स्थापित की गई है।

सभी छावनी निधि भवनों और 33 किमी सड़कों के किनारे वर्षा जल संचयन की व्यवस्था है एवं 25 आधुनिक स्मार्ट शौचालय प्रारम्भ किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, सफाईमित्र पुरस्कारों का प्रावधान भी किया गया है एवं सभी सफाई कर्मचारियों हेतु जीवनबीमा उपलब्ध कराया गया है।

दिल्ली छावनी परिषद् को ओडीएफ++ का दर्जा प्राप्त है। देश में रहने के लिए सबसे स्वच्छ स्थानों में अपनी स्थिति बनाए रखने के लिए दिल्ली छावनी बोर्ड प्रतिबद्ध है।



Swachh Chhawani Swastha Chhawani (Group 'A') - Delhi Cantonment Board



Delhi Cantonment has marked its place as one of the cleanest Cantonments in the country. Door-to-Door collection of waste and source segregation is in place. With a fleet of over 50 vehicles fitted with GPS tracking, Sewer, Nallah cleaning and main road brooming are completely mechanized. Single use plastic has been banned and 65 CCTV cameras are placed at vulnerable points to prevent unauthorized dumping of garbage or C&D waste. 23 parks and gardens, 63 open air gyms and 51.36 km of Green belts along main roads have been developed. Jharera pond and Mehram Nagar pond have been rejuvenated from being cesspools to picturesque hangouts for citizens. 20 TPD sorting cum composting machine has been commissioned at Tigris Road.

Rain water harvesting done in all Cantt Fund buildings and along 33 km of roads. 25 modern smart toilets were commissioned. Safaimitra awards have been instituted. Life insurance cover provided to all Safai Karamcharis.

DCB has ODF++ status. Delhi Cantonment Board is committed to maintain its position among the cleanest places to live in the country.



Swachh Chhawani Swastha Chhawani (Group 'A') - Delhi Cantonment Board



Delhi Cantonment has marked its place as one of the cleanest Cantonments in the country. Door-to-Door collection of waste and source segregation is in place. With a fleet of over 50 vehicles fitted with GPS tracking, Sewer, Nallah cleaning and main road brooming are completely mechanized. Single use plastic has been banned and 65 CCTV cameras are placed at vulnerable points to prevent unauthorized dumping of garbage or C&D waste. 23 parks and gardens, 63 open air gyms and 51.36 km of Green belts along main roads have been developed. Jharera pond and Mehram Nagar pond have been rejuvenated from being cesspools to picturesque hangouts for citizens. 20 TPD sorting cum composting machine has been commissioned at Tigris Road.

Rain water harvesting done in all Cantt Fund buildings and along 33 km of roads. 25 modern smart toilets were commissioned. Safaimitra awards have been instituted. Life insurance cover provided to all Safai Karamcharis.

DCB has ODF++ status. Delhi Cantonment Board is committed to maintain its position among the cleanest places to live in the country.



स्वच्छ छावनी स्वस्थ छावनी (समूह 'ख') - छावनी परिषद, बरेली



स्वच्छ भारत अभियान के शुभारंभ के बाद से छावनी परिषद बरेली द्वारा "स्वच्छ छावनी- स्वस्थ छावनी" के उद्देश्य तक पहुँचने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। हाल ही में इस क्रम में परिषद द्वारा स्वच्छता की स्थिति में समग्र सुधार के लिए "गारबेज टू गोल्ड प्रोजेक्ट" आरंभ किया है, जिसके अंतर्गत की गई गतिविधियां निम्नलिखित है :-

- स्रोत से (घर-घर, सड़क के किनारे, सेना संगठनों, आदि) से समर्पित वाहनों द्वारा अपशिष्ट का संग्रहण।
- स्रोत से गारबेज टू गोल्ड सेंटर तक वैज्ञानिक मानक अनुसार कचरे का निस्तारण।
- कचरे में से सूखे एवं गीले कचरे को अलग करना एवं अलग किए सूखे कचरे को पुनर्प्रयोज्य और अन्य श्रेणियों में अलग करना।
- बर्कले पद्धति से गीले कचरे से खाद बनाना।
- अनवरत अपशिष्ट उपचार और भूमि उद्धार। इस कार्य द्वारा 81000 मीट्रिक टन अपशिष्ट में से लगभग 70000 मीट्रिक टन अपशिष्ट उपचारित किया गया है।
- कचरे के पुनचक्रण द्वारा प्रदर्शन के जरिए लोगों में साफ-सफाई के प्रति जागरूकता और व्यवहार परिवर्तन।
- पुनर्प्रयोज्य अपशिष्ट, खाद, यूजर शुल्क आदि के माध्यम से राजस्व सृजन जो स्थायी स्वमॉडल को प्राप्त कर रहा है।
- कचरा संग्रह करने वालों एवं अन्य जरूरतमंद लोगों को परियोजना का अभिन्न अंग बनाकर रोजगार उपलब्ध कराना।
- सीएफ़सी संलग्न अनुदान के माध्यम से परियोजना पूर्णतया स्थायित्व है।

स्वच्छता गतिविधियों की नियमित निगरानी और हर माह "सर्वश्रेष्ठ सफाई साथी पुरस्कार" देकर सफाई साथी की प्रेरणा को बढ़ावा दिया जाना।



Swachh Chhawani Swastha Chhawani (Group 'B') - Bareilly Cantonment Board



Since the launch of Swachh Bharat Mission, Cantt Board Bareilly has taken number of initiatives to reach the aim of "Swachh Chhawani-Swastha Chhawani". A "Garbage to Gold Project" for holistic improvement in sanitation status has been initiated which includes following activities:-

- Waste collection from source (door to door, roadside, army organisations etc.) through dedicated vehicles.
- Transportation of waste from source to "Garbage to Gold Centre" for disposal as per scientific norms.
- Segregation of waste into dry and wet and further segregation of dry waste into recyclables and other categories.
- Composting of wet waste through Berkeley method.
- Legacy waste treatment and reclamation of land. Almost 70000 MT waste out of 81000 MT has been treated.
- Awareness and Behavioural change of people through demonstration by upcycling of waste (trash to treasure).
- Revenue generation through selling of recyclables, compost, user charges etc which is helping in achieving "Self sustainable model".
- Providing employment to rag pickers and other needy people by making them integral part of project.
- The project is totally In-house developed project through CFC tied grant.
- Regular monitoring of sanitation activities and boosting motivation of safaisathis by giving by 'Best Safai Sathi Award' every month.



स्वच्छ छावनी स्वस्थ छावनी (समूह 'ग') - छावनी परिषद, बकलोह



बकलोह को एक स्वच्छ और स्वस्थ छावनी बनाने के लिए कई पहल किए गए हैं जो निम्नलिखित है:

- क. बकलोह छावनी के गद्दानह नाले में अमृत 2.0 योजना के तहत जल स्रोत के जीर्णोद्धार किया है जिससे बकलोह छावनी में जलापूर्ति में वृद्धि होगी।
- ख. बकलोह छावनी में कूड़ा निस्तारण प्लांट लगाया गया है, जिससे रोजाना एक क्विटल कूड़ा निकलता है।
- ग. छावनी बोर्ड बकलोह द्वारा घर-घर जाकर कूड़ा संग्रह, छंटाई और निपटान दैनिक आधार पर किया जाता है।
- घ. सामुदायिक शौचालय सुविधाओं को अपग्रेड करने एवं रखरखाव हेतु कदम उठाए गए हैं।
- ङ. जनता के लाभ के लिए दो नए पार्कों का उद्घाटन किया गया है। इन पार्कों में सजावटी पौधे और पेड़ लगाए गए हैं।



Swachh Chhawani Swastha Chhawani (Group 'C') - Bakloh Cantonment Board



Bakloh has taken a number of initiatives for ensuring a clean and healthy Cantonment including the following measures.

- a) Bakloh Cantonment has undertaken rejuvenation of water source at Gaddanah Nallah under Amrut 2.0 Scheme which will result in augmentation of water supply to Bakloh Cantonment.
- b) A garbage disposal plant has been installed in Bakloh Cantonment. The garbage generated is 1 quintal per day.
- c) Door to Door Garbage collection, segregation and disposal is done on daily basis by the Cantonment Board Bakloh.
- d) Measures have been taken to upgrade and maintain the community toilet facilities.
- e) Two new parks have been inaugurated for the benefit of the public. Ornamental Plants and Trees have been planted in these parks.



डिजिटल क्षेत्र में उपलब्धियाँ - रक्षा सम्पदा कार्यालय, दिल्ली मंडल



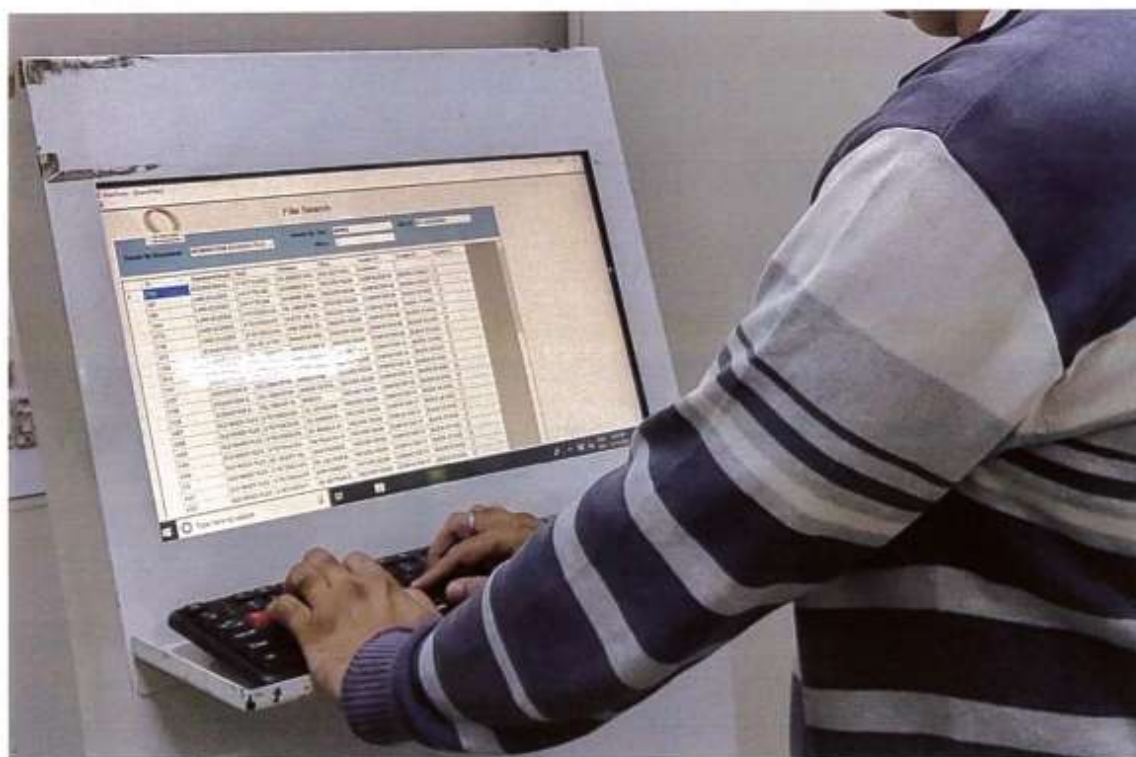
रक्षा सम्पदा कार्यालय, दिल्ली मंडल ने एलआईएमबीएस (विधिक जानकारी प्रबंधन एवं ब्रीफिंग प्रणाली), आरटीआई पोर्टल, डीजीडी के एंक्रोचमेंट पोर्टल, भूमि प्रबंधन प्रणाली, सीपीग्राम (केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण एवं मॉनीटरिंग प्रणाली) जैसे विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्मों के माध्यम से समयबद्ध तरीके से सभी मामलों को निपटाने के लिए पहल और उपाय किए हैं। रक्षा सम्पदा कार्यालय, दिल्ली मंडल ने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से 100% मुद्दों को डिजिटल रूप से हल करने में गहरी दिलचस्पी दिखाई है। एलआईएमबीएस पोर्टल पर 100% न्यायिक मामले डिजिटलाइज्ड अपलोड और अपडेट किए जा चुके हैं। एंक्रोचमेंट पोर्टल पर प्राप्त सभी शिकायतों का समाधान किया गया है और डिजिटल रूप से उत्तर दिया गया है। सीपीग्राम पोर्टल पर दर्ज की गई सभी शिकायतों का समाधान किया गया है और उसी पोर्टल के माध्यम से तुरंत निपटारा किया गया है। आरटीआई अधिनियम के तहत आरटीआई पोर्टल पर दायर आवेदनों का निस्तारण न्यूनतम समय सीमा के भीतर किया गया है। भूमि प्रबंधन प्रणाली पोर्टल पर सभी मामलों को प्रोसेस किया गया है और डिजिटल रूप से निपटाया गया है। उपरोक्त के अलावा, रक्षा सम्पदा कार्यालय, दिल्ली मंडल की लगभग 92% खरीद भारत सरकार के ऑनलाइन प्लेटफॉर्म जीईएम के माध्यम से की गई है।



Digital Accomplishments- DEO, Delhi Circle



DEO Delhi Circle has taken initiatives and measures to dispose off all the cases through various digital platforms like LIMBS (Legal Information Management & Briefing System), RTI Portal, Encroachment Portal of DGDE, Land Management System, CPGRMS (Centralised Public Grievance Redress & Monitoring System) in a time bound manner. The Office of DEO Delhi has shown keen interest in resolving 100% issues digitally through online platforms. 100% Court cases have been uploaded as well as updated on LIMBS portal. All the complaints received on encroachment portal have been resolved and replied digitally. All the grievances filed on CPGRAMS portal have been addressed and disposed off immediately via the same portal. Applications under RTI Act filed on the RTI Portal have been disposed off within the minimum timeframe. All the cases on the Land Management System portal have been processed and disposed off digitally. Apart from above, almost 92% procurements of DEO Delhi Circle have been made through the online platform of Govt of India, GeM.



भूमि एवं अभिलेख प्रबंधन – रक्षा सम्पदा कार्यालय, चेन्नई मण्डल



रक्षा सम्पदा कार्यालय, मद्रास मण्डल, चेन्नई, तमिलनाडु राज्य और पुदुच्चेरी में रक्षा भूमि के प्रबंधन का जिम्मेदार है। कोविड, जलवायु एवं मौसम की चुनौतियों के बावजूद डीजीपीएस का प्रयोग करते हुए 18,646.874 एकड़ भूमि का सर्वेक्षण कार्य समयबद्ध रूप में पूरा किया गया है।

रक्षा सम्पदा कार्यालय, चेन्नई द्वारा उल्लंघनों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करते हुए बाजार मूल्य का लगभग दो सौ करोड़ 200 करोड़ के मूल्य वाली सात पॉकेट भूमि का सर्वे कार्य पूरा किया।

रक्षा सम्पदा कार्यालय, चेन्नई 12 महत्वपूर्ण रक्षा परियोजनाओं के लिए भूमि अर्जन कर रहा है। कार्यालय द्वारा 10 महत्वपूर्ण आधारभूत अवसंरचनात्मक परियोजनाओं संबंधी मंत्रालय की कार्य अनुमति हेतु मामले पर प्रक्रिया आरंभ कर दी गई है।

अभिलेख प्रबंधन में, सन 1800 तक पुराने रक्षा भूमि अभिलेख, सैन्य भूमि रजिस्टर, सामान्य भूमि रजिस्टर, पट्टा डीड, एडमिशन डीड, ओल्ड ग्रांट दस्तावेज़, म्यूटेशन दस्तावेज़, सर्वे रिपोर्ट, नक्शे एवं योजनाओं को अग्निरोधी कैबिनेट और आधुनिक कोंपक्टेर्स में स्टेट-ऑफ-आर्ट अभिलेख कक्ष में संरक्षित किया गया है। महत्वपूर्ण रक्षा भूमि अभिलेखों के रिकॉर्ड का सुदृढ़ अनुरक्षण करने के लिए माइक्रो फिल्म भी बनाई गई है।



Land and Record Management- DEO, Chennai Circle



The Defence Estates Office, Madras Circle, Chennai ensured completion of Survey of 18,646.874 acres of land using DGPS in time-bound manner despite challenges of COVID, terrain and weather conditions.

DEO Chennai took over Seven pockets of land worth of 200 crores approx.. in terms of market value by taking stern action against violations.

DEO Chennai is acquiring land for 12 important defence projects. It processed cases of 10 important infrastructure projects for successful issue of working permission by Ministry.

In Record Management, Defence land records of Archival value including old one dating 1800, Military Lands Register, General Lands Register, Lease Deeds, Admission Deeds, Old Grant documents, Mutation documents, Survey Reports, Maps and Plans are preserved in Fire Resistance Cabinets and in modern Compactors in state-of-art record room. Vital Defence land records have also been micro-filmed for enhancing their life.



ई-छावनी परियोजना का कार्यान्वयन – छावनी परिषद, देवलाली



छावनी परिषद देवलाली ई-छावनी के कार्यान्वयन में पहल करने में अग्रणी रहा है कुछ विशेषताएँ निम्नलिखित हैं :-

- क. ई-छावनी के कार्यान्वयन से अब तक की अवधि के लिए नागरिकों द्वारा प्राप्त की गई कुल संख्या 62000 हैं जिसमें पंजीकृत नागरिक - 21000, एम-कलेक्ट - 32192, शिकायत की संख्या- 2250, स्वजल कनेक्शन - 307, डिजिटल जन्म एवं मृत्यु प्रमाणपत्र -100000, संपत्ति हस्तांतरण- 152, संपत्ति मूल्यांकन -730, पानी टैंकर बुकिंग - 72, ओबीपीएस -18, कुल ऑनलाइन एकत्र राजस्व-1,00,00,000 शामिल हैं।
- ख. **घर-घर जाकर जागरूक करना** : वार्ड वार टीम का गठन किया गया है जिन्होंने नागरिकों के पंजीकरण के लिए घर-घर जाकर उन्हें ऑनलाइन ई-पोर्टल का उपयोग शुरू करने के लिए जागरूक किया और उन्हें ई-छावनी का उपयोग करके भुगतान करने का तरीका बताया।
- ग. **डिजिटल/प्रिंट मीडिया** - लोगों के लिए एक उचित व्याख्यात्मक यूट्यूब वीडियो बनाया गया है ताकि लोग इसका उपयोग एक उदाहरण / डेमो के रूप में कर सकें और यह सीख सकें कि पोर्टल का उपयोग कैसे करना है और उसी जानकारी को आसान एवं वर्णात्मक तरीके से देवलाली छावनी के वेबसाइट पर सूचीबद्ध किया गया था। स्थानीय समाचार पत्रों के माध्यम से ई-छावनी के तहत प्रदत्त सुविधाओं के बारे में भी नागरिकों को बताया गया।
- घ. **घंटा गाडी** - प्रत्येक वार्ड के घंटा गाडी पर एक उचित ऑडियो क्लिप चलाया गया और एक पोस्टर भी चिपकाया गया ताकि यह ई-छावनी संदेश हर दिन लोगों के घर-घर पहुंचे।
- ङ. **हेल्पडेस्क**- छावनी परिषद कार्यालय में एक हेल्प डेस्क लगाया गया जिससे लोगों को ई-छावनी सुविधाओं के बारे में नियुक्त विशेष अधिकारी द्वारा बताया जा सकें।
- च. इनके अलावा नागरिकों को जागरूक करने के लिए बड़ी संख्या में एसएमएस, हेल्प लाइन नंबर और अन्य जागरूकता गतिविधियां भी शुरू की गईं।



ई-छावनी परियोजना का कार्यान्वयन – छावनी परिषद, देवलाली



छावनी परिषद देवलाली ई-छावनी के कार्यान्वयन में पहल करने में अग्रणी रहा है कुछ विशेषताएँ निम्नलिखित हैं :-

क. ई-छावनी के कार्यान्वयन से अब तक की अवधि के लिए नागरिकों द्वारा प्राप्त की गई कुल संख्या 62000 हैं जिसमें पंजीकृत नागरिक - 21000, एम-कलेक्ट - 32192, शिकायत की संख्या- 2250, स्वजल कनेक्शन - 307, डिजीटल जन्म एवं मृत्यु प्रमाणपत्र -100000, संपत्ति हस्तांतरण- 152, संपत्ति मूल्यांकन -730, पानी टैंकर बुकिंग - 72, ओबीपीएस -18, कुल ऑनलाइन एकत्र राजस्व-1,00,00,000 शामिल हैं।

ख. **घर-घर जाकर जागरूक करना** : वार्ड वार टीम का गठन किया गया है जिन्होंने नागरिकों के पंजीकरण के लिए घर-घर जाकर उन्हें ऑनलाइन ई-पोर्टल का उपयोग शुरू करने के लिए जागरूक किया और उन्हें ई-छावनी का उपयोग करके भुगतान करने का तरीका बताया।

ग. **डिजिटल/प्रिंट मीडिया** - लोगों के लिए एक उचित व्याख्यात्मक यूट्यूब वीडियो बनाया गया है ताकि लोग इसका उपयोग एक उदाहरण / डेमो के रूप में कर सकें और यह सीख सकें कि पोर्टल का उपयोग कैसे करना है और उसी जानकारी को आसान एवं वर्णात्मक तरीके से देवलाली छावनी के वेबसाइट पर सूचीबद्ध किया गया था। स्थानीय समाचार पत्रों के माध्यम से ई-छावनी के तहत प्रदत्त सुविधाओं के बारे में भी नागरिकों को बताया गया।

घ. **घंटा गाडी** - प्रत्येक वार्ड के घंटा गाडी पर एक उचित ऑडियो क्लिप चलाया गया और एक पोस्टर भी चिपकाया गया ताकि यह ई-छावनी संदेश हर दिन लोगों के घर-घर पहुंचे।

ङ. **हेल्पडेस्क**- छावनी परिषद कार्यालय में एक हेल्प डेस्क लगाया गया जिससे लोगों को ई-छावनी सुविधाओं के बारे में नियुक्त विशेष अधिकारी द्वारा बताया जा सकें।

च. इनके अलावा नागरिकों को जागरूक करने के लिए बड़ी संख्या में एसएमएस, हेल्प लाइन नंबर और अन्य जागरूकता गतिविधियां भी शुरू की गईं।



Implementation of e-Chhawani Project- Deolali Cantonment Board



Cantonment Board Deolali has been on the forefront in taking initiatives for implementation of E Chhawani. Some of these are as follows.

- a. The Services availed by the citizen on the Echhawani portal till date is 62000. Out of which Citizen registration- 21000, M-collect – 32192, number of complaint resolved 2250, Swajal connection- 307, Birth & Death certificate digitized 100000 respectively, Property transfer – 152, Property assessment – 730, water tanker booking – 72, OBPAS – 18, Total online revenue collected 1,00,00,000.
- b. **Door-to-door awareness** – A ward wise team constituted who would go door to door for registration of citizen and make them aware to start using the online e-portal and hand hold them by showing how to do payments using eChhawani.
- c. **Digital / Print Media** - A proper explanatory YouTube video was made for people to use it as a hand holding tool and learn how to use the portal. Same thing was listed on website in the most handy and descriptive way for people visiting the websites. The citizen was made aware about the facilities provided under e-Chhawani through local Newspaper.
- d. **Ghanta Gaadi** - A proper audio production and a poster was stuck on the Ghanta gaadi of each ward so that this eChhawani message reached people door to door every day.
- e. **Help Desk** - A help desk was arranged in Cantonment Board Office to guide people on eChhawani facilities by appointing special official to handhold citizen.
- f. Apart from these, Bulk SMS, helpline number and other awareness activities were also undertaken to educate the citizens.



दिव्यांग बच्चों के लिए केंद्रों का प्रबंधन - छावनी परिषद, इलाहाबाद



छावनी परिषद इलाहाबाद द्वारा संचालित उड़ान विशेष स्कूल की स्थापना 18 जुलाई, 2016 को मात्र 3 बच्चों के साथ हुई। इसका उद्देश्य दिव्यांग बच्चों को उच्च स्तरीय सुविधाएं प्रदान कर सामान्य जीवन जीने के लिए प्रशिक्षित करना है।

पिछले 5 वर्षों में, उड़ान स्कूल में बच्चों की संख्या बढ़कर 47 हो गई है, जिनके लिए फिजियोथेरेपी एवं ओक्युपेशनल थेरेपी, स्पीच थेरेपी, परामर्श और व्यवहार सुधार के साथ-साथ विभिन्न प्रतियोगिताएं और व्यावसायिक प्रशिक्षण आयोजित किए जाते हैं।

उड़ान विशेष स्कूल में दिव्यांग बच्चों को प्रोत्साहित करने हेतु विभिन्न प्रतियोगिताएं जैसे ब्रेल रीडिंग-राइटिंग प्रतियोगिता, कला प्रतियोगिता, सांस्कृतिक कार्यक्रम इत्यादि आयोजित किए जाते हैं।

व्यावसायिक प्रशिक्षण और कुकिंग प्रशिक्षण देकर दिव्यांग बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास निरंतर जारी हैं। हमारे द्वारा प्रशिक्षित दिव्यांग जन आत्म-निर्भर बनकर मुख्य धारा के स्कूलों में प्रवेश ले रहे हैं।



Maintaining Centres for Divyang Children – Allahabad Cantonment Board



Udaan Special School run by Cantonment Board Allahabad was established on 18th July, 2016 with only 3 children. Its objective is to train differently-abled children to lead a normal life by providing high-end facilities.

Over the last 5 years, the number of children has increased upto 47 in Udaan School, for whom various competitions and vocational training are conducted along with physiotherapy and occupational therapy, speech therapy, counselling and behavioural modification.

Various competitions like Braille reading-writing competition, art competition, cultural programs etc. are organized in Udaan Special School to encourage differently-abled children.

Efforts are on to make differently abled children self-reliant by imparting vocational and cooking training. Divyang-jans trained by us are getting admission in mainstream schools and they are becoming self-reliant.



छावनी परिषद के प्राथमिक / मिडिल विद्यालयों की कार्यप्रणाली में सुधार - छावनी परिषद, महु



छावनी परिषद तीन अंग्रेजी माध्यम के स्कूल चलाता है, जिनमें समाज के कमजोर वर्ग के बच्चों को छावनी क्षेत्र में चल रहे अंग्रेजी माध्यम पब्लिक स्कूल की तर्ज पर मुफ्त शिक्षा उपलब्ध कराई जाती है।

महु रोटरी क्लब की सहायता से स्कूलों में नया फर्नीचर और स्मार्ट क्लास सुविधा भी शुरू की गई है। पार्क में झूले भी लगाए गए हैं लड़कों और लड़कियों के लिए अलग-अलग शौचालय की व्यवस्था भी की गई है।

छावनी परिषद स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों के सम्पूर्ण विकास हेतु, एक आधुनिक कम्प्यूटर लैब भी स्थापित की गई है और छात्रों को प्रेरित और प्रोत्साहित करने के लिए 'कल्पना चावला' नामक हॉल भी बनाया गया है। नागरिकों में बढ़ती मांग को देखते हुए नए कक्षा भी बनाए गए हैं।

इनके अलावा, छावनी परिषद महु ने ऐसी अनेक पहल की है जिनसे स्कूलों में भागीदारी और ई-लर्निंग विधियों को बढ़ाया जाना सुनिश्चित हो सके।

विद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु अद्यतन कम्प्यूटर लैब भी है। छात्राओं को प्रेरित करने हेतु अन्तरिक्ष कल्पना चावला के नाम से एक हाल का निर्माण भी किया गया है। प्राथमिक स्तर के छात्र-छात्राओं के अध्ययन को सरल बनाने हेतु कक्षा की दीवार पर विभिन्न प्रकार की आकर्षक पेंटिंग बनाई गयी है।

हैदराबादी बस्ती स्थित अंग्रेजी माध्यम प्राथमिक विद्यालय में नवीन कक्षा का निर्माण किया गया है।



Improvement in the functioning of Cantt Boards Schools (Primary/Middle Schools) – Mhow Cantonment Board



The Cantt. Board maintains three English medium schools where education is imparted free of cost to the weaker sections of the society in similar lines as of English medium public schools run in Cantt. Area.

New furniture have been put in place and facility of smart classes also has been started with the help of Rotary Club of Mhow. The facility of playground equipped with swing-slides and see-saws is also there. The facility of separate toilets for girls and boys also exists.

For overall development of children studying in Cantt. Board Schools, a modern computer lab has been established and for inspiring and motivating students, a hall named after 'Kalpana Chawla' has been created. New classrooms were added as per the growing demand amongst the citizen.

Apart from these, Cantonment Board Mhow has taken a number of initiatives to ensure larger participation and to enhance e- learning methods in schools.



छावनी परिषद के माध्यमिक / वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों की कार्यप्रणाली में सुधार - छावनी परिषद, जालंधर



जालंधर छावनी की छावनी बोर्ड स्कूलों का उद्देश्य समग्र चरित्र निर्माण है, जो योग्यता, सम्मान, उत्तरदायित्व, निष्पक्षता, देखभाल और नागरिकता जैसे गुणों के विकास पर ध्यान केंद्रित करता है। बोर्ड के साथ-साथ गैर-बोर्ड कक्षाओं के उत्कृष्ट परिणाम स्कूलों के शैक्षणिक स्तर को दर्शाते हैं।

- छावनी परिषद गर्ल्स स्कूल की छात्राओं मनीषा पॉल एवं सिमरनजीत कौर ने 12वीं कॉमर्स बोर्ड परीक्षा की मैरिट में स्थान हासिल किया और 12वीं कॉमर्स की सभी छात्राओं ने 80% से अधिक अंक प्राप्त किए।
- योग, कला, संगीत, वाद-विवाद, भाषण, खेलकूद, नाटक जैसी विभिन्न सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में भागीदारी शिक्षा के प्रति छात्रों के समग्र दृष्टिकोण को दर्शाती है।
- योग टीम ने एनसीईआरटी, भारत सरकार द्वारा नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भाग लिया।
- कराटे टीम ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लिया एवं उत्तर भारत कराटे प्रतियोगिता जीती।
- संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर के दौरान एनसीसी एयर विंग कैडेट ने स्पोर्ट्स में ओवरऑल ट्रॉफी जीती।
- एनसीसी एयर विंग कैडेट्स ने फगवाड़ा एवं आदमपुर में आयोजित सीएसीटी के दौरान क्रमशः स्पोर्ट्स में ओवरऑल ट्रॉफी एवं सर्वश्रेष्ठ दल पुरस्कार जीता।
- हॉकी टीम एवं एथलीट कन्हैया ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए उत्तीर्ण किया।

स्कूलों में सरकार द्वारा शुरू की गई विभिन्न योजनाओं जैसे मिड-डे मील योजना, प्री एवं पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति आदि का क्रियान्वयन किया जा रहा है। सामुदायिक विकास योजना के अंतर्गत पॉलिटेक्निकस के माध्यम से पिछले 10 वर्षों से विद्यार्थियों को उनके भविष्य के लिए तैयार करने हेतु व्यावसायिक शिक्षा प्रदान की जाती है।



Improvement in the functioning of Cantt Boards Schools (Secondary & Sr. Secondary Schools) – Jalandhar Cantonment Board



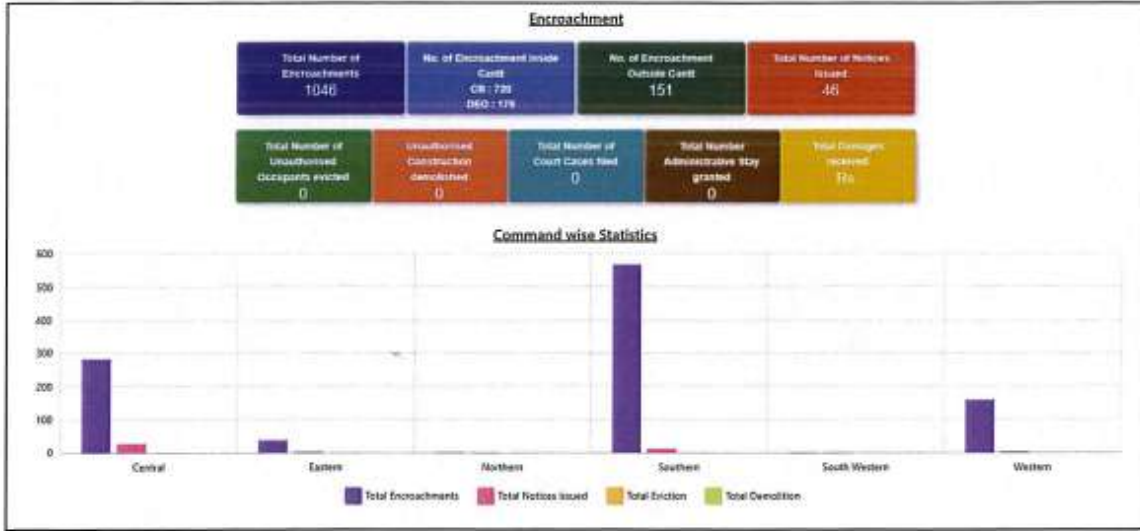
The aim of Cantt Board Schools, Jalandhar Cantonment is holistic character building, focusing on development of qualities like worthiness, respect, responsibility fairness, caring & citizenship. Excellent results of Board as well as Non-Board classes show academic standard of the school.

- Students from Cantt Board Girls School Manisha Paul & Simranjit Kaur secured Merit position in 12th Commerce Board Exams and all the students of 12th commerce secured more than 80% marks.
- Participation of students in various co-curricular activities like Yoga, Art, Music, Debates, Quiz, Sports, Dramatics show the holistic approach to education.
- Yoga team participated at National Level Competition organized by NCERT Govt. of India at New Delhi.
- Karate Team participated at State Level & won North India Karate Championship.
- NCC Air Wing Cadet won Overall Trophy in Sports during Combined Annual Training Camp.
- NCC Air Wing Cadets won Overall Trophy in Sports & Best Contingent Award during CATC at Phagwara & Adampur respectively.
- Hockey Team & Athlete Kanahiya qualified for State Level Competition.

Various schemes started by the govt. like Mid-day- Meal scheme, Pre & Post Metric Scholarship etc. are being implemented in the schools. Vocational Education is imparted to students for the last 10 years under the scheme of Community Development through Polytechnics to prepare them for their future.



भूमि रक्षा (एंक्रोचमेंट रिमूवल मॉड्यूल)



रक्षा मंत्रालय के पास छावनियों के अंदर और बाहर लगभग 17.95 लाख एकड़ का बड़ा भू-भाग है। रक्षा बलों को सैन्य गतिविधियों के लिए प्रशिक्षण, रेंज, डिपो, हवाई क्षेत्र, क्वार्टरिंग, कैंपिंग, कार्यालयों आदि के लिए बड़े भू-भाग की आवश्यकता होती है। रक्षा भूमि का प्रबंधन डीजीडीई/डीईओ सहित विभिन्न रक्षा संगठनों के पास है जो अपने संबंधित प्रबंधन के तहत रक्षा भूमि की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार हैं। इन संरक्षा उपायों में अन्य बातों के साथ-साथ रक्षा भूमि से अतिक्रमण हटाना भी शामिल है।

रक्षा भूमि से अतिक्रमण हटाने की कुशल और प्रभावी निगरानी के लिए, रक्षा संपदा महानिदेशालय (डीजीडीई) द्वारा रियल टाइम रिकॉर्ड मैनेजमेंट (आरटीआरएम) परियोजना के तहत एक अतिक्रमण मॉड्यूल विकसित किया गया है। इससे डीईओ/सीईओ सार्वजनिक परिसर (अनाधिकृत अधिभोक्ता बेदखली) अधिनियम, 1971 के तहत नियुक्त सम्पदा अधिकारियों को अतिक्रमण मामलों की रिपोर्ट कर सकेंगे। जो अनाधिकृत अधिभोक्ताओं को बेदखल करने हेतु उक्त अधिनियम के अनुसार अलग-अलग नोटिस और आदेश जारी करने में सक्षम होंगे। चूंकि मामले को ऑनलाइन संसाधित किया जाएगा, इससे अतिरिक्त डाटा प्रविष्टि की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी।

सॉफ्टवेयर का उपयोग कर डीईओ/सीईओ से डीजीडीई तक सभी कार्यालयों द्वारा अतिक्रमणों और उनके हटाने की स्थिति के बारे में विवरण आसानी से मॉनिटर किया जा सकता है। इसके अलावा, सॉफ्टवेयर से वर्षवार अतिक्रमणों की संख्या का आंकलन करने के लिए विभिन्न रिपोर्ट/आंकड़े तैयार किए जा सकते हैं, कमानवार और कार्यालयवार जारी नोटिस/आदेश आदि की संख्या और अतिक्रमण हटाने की दिशा में हुई प्रगति को देखा जा सकता है। इससे रक्षा भूमि से अतिक्रमण हटाने के लिए समय पर कार्रवाई शुरू करने में सभी स्तरों पर बहुत मदद मिलेगी।



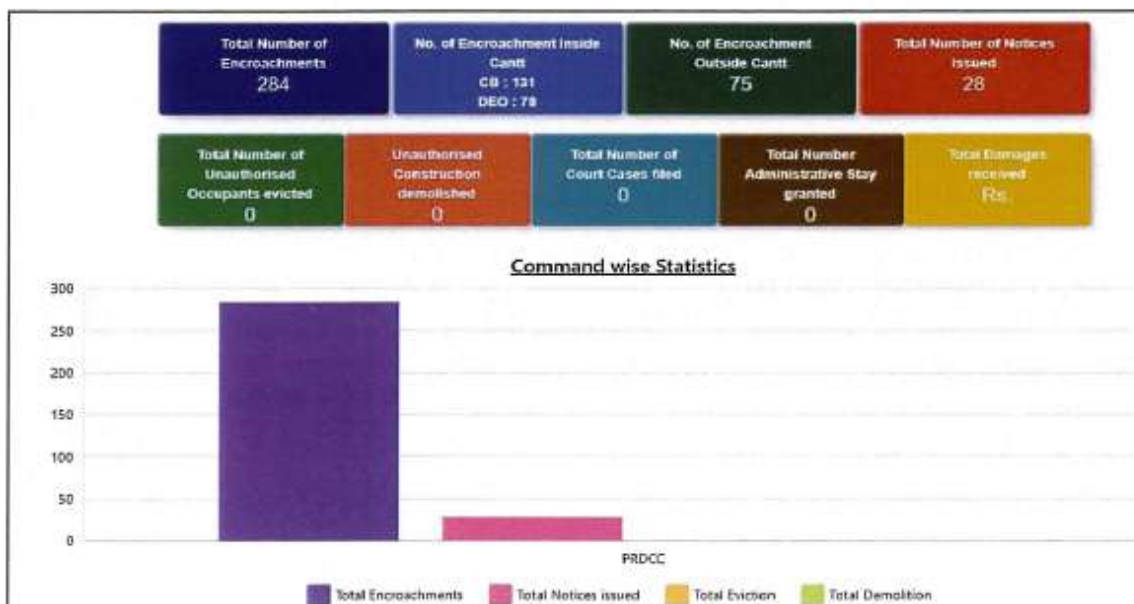
BHOOMI RAKSHA (Encroachment Removal Module)



The Defence forces require large areas of land for training, ranges, depots, airfields, quartering, camping, offices etc for military activities. Ministry of Defence, therefore, owns large tracts of land of approx 17.95 lakh acres both inside and outside Cantonments. The management of defence land lies with different defence organisations including DGDE/DEOs who are responsible for protecting the defence land under their respective management. The protection measures, inter alia, includes removal of encroachment from defence land.

For efficient and effective monitoring of removal of encroachment from defence land, the Directorate General Defence Estates (DGDE) has developed an Encroachment module under Real Time Record Management (RTRM) project. This will facilitate DEOs/CEOs to report encroachment cases to Estate Officers appointed under Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 who will be able to issue different notices and orders as per the said Act for eviction of Unauthorised Occupants. Since the case will be processed online, it will obviate the need for additional data entry.

The details about the encroachments and their removal status can easily be monitored by all the offices from that of DEOs/CEOs to the DGDE using the software. Also, various reports/statistics can be generated from the software to assess no. of encroachments year wise, number of notice/order issued etc. command wise and office wise and progress in removal of encroachment. This will greatly assist all levels in initiating timely action for removal of encroachment from defence land.



सुविद्या (बहुभाषी छावनी बोर्ड स्कूल प्रबंधन मॉड्यूल)

Dashboard



छावनी बोर्ड अपने क्षेत्र के छात्रों को गुणवत्तापरक शिक्षा और विभिन्न कौशल प्रदान करने के लिए देश भर में 52 छावनियों में विभिन्न स्कूलों का संचालन करते हैं। वर्तमान में छावनी बोर्डों के अंतर्गत प्राथमिक से सीनियर सेकेंडरी स्तर तक के 194 स्कूल हैं। मौजूदा समय में छावनी बोर्ड स्कूलों में 63400 छात्र नामांकित हैं।

माननीय रक्षा मंत्री जी के कुशल नेतृत्व और रक्षा सचिव के सतत मार्गदर्शन और मॉनीटरिंग में छावनी क्षेत्रों में नागरिकों को बेहतर "ईज ऑफ लिविंग" प्रदान करने के उद्देश्य से, 15 राज्यों के 52 छावनी बोर्डों के प्रबंधनाधीन 194 स्कूलों में स्कूल प्रबंधन प्रणाली लागू की गई है। स्कूल प्रबंधन प्रणाली को डीजीडीई द्वारा बाह्य सलाहकारों के तकनीकी सहयोग से इन-हाउस विकसित किया गया है।

स्कूल प्रबंधन प्रणाली में निम्नलिखित प्रमुख ऑनलाइन मॉड्यूल शामिल हैं:

- ऑनलाइन प्रवेश
- ऑनलाइन स्थानांतरण प्रमाणपत्र जारी करना
- ऑनलाइन गृहकार्य और असाइनमेंट
- ऑनलाइन शिकायत/घटना रिपोर्टिंग
- ऑनलाइन सूचना
- ऑनलाइन फीडबैक और सुझाव

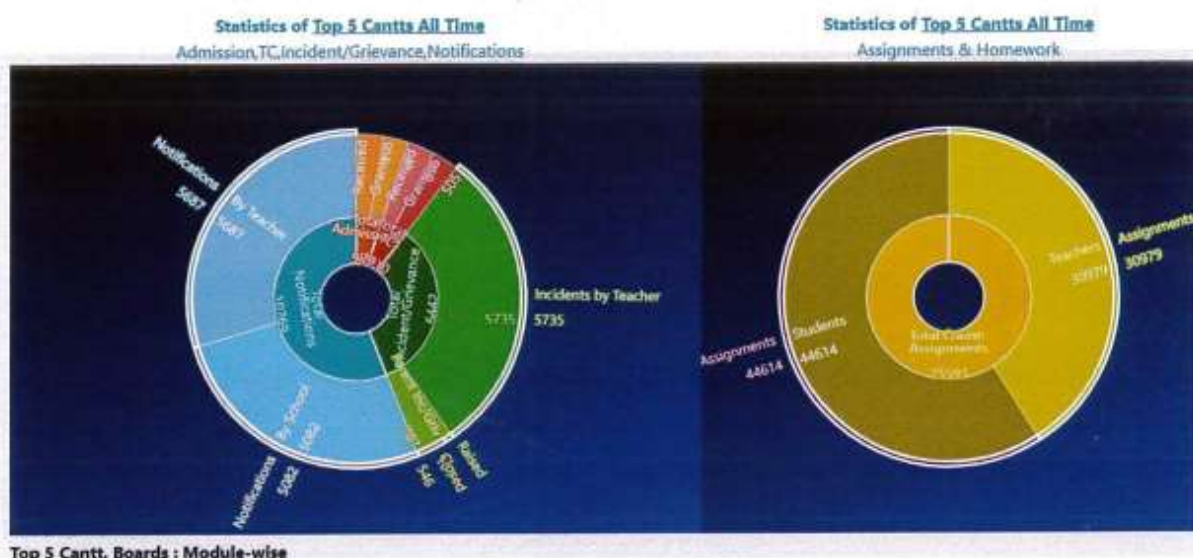
हालाँकि, सुविद्या में पहले निम्नलिखित दो प्रमुख कमियाँ थीं:

क) छावनी बोर्ड स्कूल मुख्य रूप से समाज के गरीब तबके के बच्चों को शिक्षा प्रदान करते हैं। इन बच्चों और इनके अभिभावकों को अंग्रेजी का ज्यादा ज्ञान नहीं है। प्रणाली को छात्रों और छावनी निवासियों हेतु वास्तव में उपयोगी बनाने के लिए, क्षेत्रीय भाषा में प्रणाली अनुप्रयोग (एप्लीकेशन) की आवश्यकता महसूस की गई।

ख) प्रणाली में एकल तरीके से (स्टैंडअलोन) कार्य करने तथा संरचना स्तर पर केंद्रीय या नियंत्रण स्तर पर मैक्रो डाटा उपलब्ध कराने का अभाव था। इसलिए, 'डैशबोर्ड' और 'रिपोर्टिंग' प्रणाली प्रदान करने के लिए अतिरिक्त मॉड्यूल उपलब्ध कराना आवश्यक समझा गया।

हितधारकों की आवश्यकताओं और सुझावों को ध्यान में रखते हुए, 06 स्थानीय भाषाओं यथा- बंगाली, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, मराठी और तमिल की बहुभाषी उपलब्धता से सुविद्या की कार्यक्षमता को बढ़ाया जा रहा है। यह उन कुछ एक एप्लीकेशनों में से एक होने जा रहा है जिसमें छात्र, शिक्षक और अभिभावक क्षेत्रीय भाषा में सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। स्कूलों के प्रदर्शन की मॉनीटरिंग के लिए डैशबोर्ड और रिपोर्ट को भी सुविद्या में शामिल किया जा रहा है। 52 छावनी बोर्डों के प्रबंधनाधीन 194 स्कूलों के लिए 16/12/2022 को रक्षा सम्पदा दिवस के अवसर पर ये सक्रिय हो जाएगी।

SUVIDYA (Multilingual Cantt Board School Management Module)



Cantonment Boards operate and run various schools across 52 Cantonments in the country to impart quality education and various skills to students of the locality. There are 194 schools under Cantonment Boards with primary to Sr. Secondary level presently. There are presently 63400 students enrolled in CB Schools.

Under the able leadership of Hon'ble Raksha Mantri and constant guidance and monitoring of Defence Secretary to enhance "**Ease of living**" for the citizens in the Cantonment areas, School Management System has been implemented in 194 Schools under the management of 52 Cantonment Boards in 15 States. The School Management System has been developed by DGDE in-house with some technical support of external consultants.

The School Management System consists of following major online modules:

- Online Admission
- Online Issuance of Transfer Certificate
- Online Homework and Assignments
- Online Grievance / Incident Reporting
- Online Notification
- Online Feedback and Suggestion

However, SUVIDYA earlier had following two major deficiencies:

- a) Cantonment Board schools mainly provide education to children of poor strata of society. These children & their parents are not conversant with English. To make the system really useful to the Students and Cantt residents, a need was felt to provide system application in regional language.
- b) The system also worked in a standalone way and the architect lacked providing macro data at central or controlling level. Hence, the additional module to provide 'Dashboard' and 'reporting' system was felt necessary.

Keeping in view the requirements and suggestions of stakeholders, the functionalities of **Suvidya** is being enhanced by incorporating multilingual facility in 06 local languages i.e. Bengali, Gujarati, Hindi, Kannada, Marathi and Tamil. This is going to be one of the few applications in which students, teachers & parents will avail facility in regional language. The dashboard and reports for monitoring the performance of schools is also being incorporated in **Suvidya**. These functionalities will be rolled out on 16/12/2022 on the occasion of Defence Estates Day for 194 Schools under the management of 52 Cantonment Boards.



रक्षा सम्पदा संगठन
Defence Estates Organisation



भारत 2023 INDIA



रक्षा सम्पदा महानिदेशालय, रक्षा सम्पदा भवन

Directorate General Defence Estates, Raksha Sampada Bhawan

<https://www.dgde.gov.in>

रक्षा सम्पदा महानिदेशालय

DIRECTORATE GENERAL DEFENCE ESTATES